भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव 31 को नहीं 30 मार्च को मनाया जाएगा, भ्रम दूर

इन्दौर। प्रतिवर्ष भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महमहोत्सव पूरे भारत में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष तीथी के अनुसार यह महोत्सव 30 मार्च को मनाया जाएगा। श्रमण संस्कृति के महमहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी, निर्यापक श्रमण सुधासागर जी एवं शंका समाधान प्रणेता मुनि श्री प्रमाणसागर ने इस संदर्भ में भ्रांति को दूर करने के साथ समाज को मार्गदर्शन दिया। 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महमहोत्सव प्रति वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को पूरे भारत वर्ष में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष तिथि भ्रम के कारण सरकारी कैलेंडर में 31 मार्च को महावीर जन्म कल्याणक घोषित कर 31 मार्च को ही सरकारी अवकाश घोषित किया गया है । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जैन परम्पराओं, जैन पंचांग एवं जैन आगम एवं कैलेंडरों के अनुसार महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव इस वर्ष सोमवार 30 मार्च को ही पुरे भारत में मनाया जाए। सम्पूर्ण भारत में मनाया जाने वाला भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के संदर्भ में तिथि भ्रम के कारण महावीर भगवान के अनुयायियों एवं समाज में भ्रम की स्थिति बनी हुई है कि जन्म कल्याणक महोत्सव 30 को मनाया जाएगा या 31 मार्च को मनाया जाएगा । भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव के संदर्भ में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागर जी महाराज ने तिथि भ्रम के संदर्भ में मार्गदर्शन देते हुए कहा कि इस वर्ष महावीर जन्म कल्याणक महमहोत्सव सोमवार 30 मार्च को मनाया जाएगा। भगवान महावीर स्वामी का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को हुआ था। यह तिथि इस वर्ष 30 मार्च को प्रातः 07 बजे से शुरू हो रही है और इसका समापन 31 मार्च को प्रातः 07 बजे के लगभग होगा, उसके बाद चौदस तिथि लग जाएगी ।ज्योतिष शास्त्र के अनुसार उदयातिथि मानी जाती है । अर्थात सूर्योदय के समय जो तिथि होती है, पूरे दिन वही तिथि मानी जाती है । इस मान से 30 मार्च को तेरस तिथि नहीं हैं । 31 मार्च को सूर्योदय के समय से तेरस है, लेकिन वह केवल सुबह 07 बजे तक है और महावीर जन्म कल्याणक के कार्यक्रम सुबह 07 बजे तक हो नहीं सकते, सभी आयोजन 07 बजे के बाद ही होना संभव होगा । 30 मार्च को सूर्योदय के बाद प्रातः 07 बजे तेरस है और पूरे दिन रहेगी । इसलिए सोमवार 30 मार्च को ही भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जाना चाहिए । शंका समाधान प्रणेता पूज्य मुनिश्री प्रमाणसागरजी महाराज ने भी अपने उद्बोधन में कहा कि इस वर्ष तिथि भ्रम के कारण भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक के संदर्भ में विकल्प बना हुआ है । 31 मार्च को तेरस प्रातः 07 बजे तक ही है, उसके बाद चौदस तिथि लग जाएगी । लेकिन सोमवार 30 मार्च के दिन प्रातः 07 बजे से पूरे दिन तेरस तिथि विद्यमान रहेगी ।

सकल पंच राठौर समाज के चुनाव, अध्यक्ष पद हेतु गोविंद राठौर ने लिया नामांकन फार्म

इंदौर। श्री सकल पंच राठौर समाज इंदौर के आगामी अध्यक्ष पद निर्वाचन को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। अध्यक्ष पद के लिए गोविंद राठौर (राठौर क्रांति) ने समाज सेवा के संकल्प के साथ अपनी दावेदारी प्रस्तुत करते हुए नामांकन फार्म प्राप्त किया। फार्म प्राप्ति के पश्चात उन्होंने प्रभु श्रीराम का आशीर्वाद लेकर समाजहित में कार्य करने का संकल्प दोहराया। गोविंद राठौर ने कहा कि अध्यक्ष निर्वाचित होने पर वे समाज की धरोहर श्री राम मंदिर, पिंजारा बाखल के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ प्रारंभ करेंगे तथा भगवान श्रीराम को पूर्ण विधि-विधान से पुनः विराजित करने का प्रयास करेंगे। साथ ही सकल पंच के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सभी समाजजनों को साथ लेकर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने समाज के वरिष्ठजनों से सहयोग एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए घर-घर संपर्क अभियान भी शुरू कर दिया है। समाज के विभिन्न परिवारों से उन्हें सकारात्मक समर्थन मिल रहा है। युवा समाजसेवी चेतन राठौर के अनुसार इस अवसर पर समाज संरक्षक हरीश राठौर 'लड्डू बाबा', शुभम राठौर एवं निलांशु राठौर (बल्लु) भी उपस्थित रहे। बताया गया कि गोविंद राठौर ने पंकज राठौर से 11,000 रुपये की राशि देकर नामांकन फार्म प्राप्त किया।

कार्टून कोना...

सराफा बाजार की गरिमा व सुरक्षा को लेकर मौन प्रदर्शन

व्यापारी एवं दलाल एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से सराफा थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

इंदौर (नवीन मौर्य) । शहर के प्रमुख व्यावसायिक केंद्र सराफा बाजार की सुरक्षा, सुव्यवस्था और गरिमा बनाए रखने की मांग को लेकर इंदौर चांदी सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन एवं इंदौर चांदी सोना जवाहरात दलाल एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से दिनांक 27 फरवरी को दोपहर 3 बजे एक शांतिपूर्ण मौन प्रदर्शन आयोजित किया गया।

मौन रैली बड़ा सराफा कॉर्नर से प्रारंभ होकर सराफा थाने तक पहुंची, जहां सराफा थाना प्रभारी को बाजार से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु ज्ञापन सौंपा गया।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि सराफा बाजार में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्राहकों, विशेषकर महिला ग्राहकों का आवागमन रहता है। ऐसे में बाजार की सुरक्षा, अनुशासन और स्वच्छ वातावरण बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। हाल के समय में कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों से बाजार की छवि प्रभावित हो रही है, जिसे लेकर व्यापारी वर्ग चिंतित है।

इंदौर चांदी सोना जवाहरात व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हुकम जी सोनी, मंत्री श्री बसंत सोनी, उपाध्यक्ष श्री सुशील गुप्ता तथा इंदौर चांदी सोना जवाहरात दलाल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री हंसराज बूब ने स्पष्ट किया कि यह मौन प्रदर्शन किसी प्रकार का विरोध नहीं, बल्कि प्रशासन के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने और सामाजिक सहभागिता का प्रतीक है।

पदाधिकारियों ने कहा कि व्यापारी वर्ग सदैव कानून व्यवस्था के साथ खड़ा रहा है और आगे भी प्रशासन के सहयोग से बाजार को सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

मौन रैली का उद्देश्य प्रशासन का ध्यान बाजार की समस्याओं की ओर आकर्षित कर मिल-बैठकर समाधान निकालना है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारी एवं दलाल बंधु उपस्थित रहे और शांतिपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

कौशल युक्त शिक्षा देने हेतु तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

इंदौर। महाविद्यालय में नाट्य एवं कला विषय के अंतर्गत बी.एड. शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिए तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों में सृजनात्मकता ,आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना था। कार्यशाला की शुरुआत प्राचार्य डॉ. किरण दम्मानी के स्वागत भाषण से हुई ।

विशेषज्ञ में श्रीमती तरुणा साहू जी ने कार्यशाला के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों को रंगोली मेट्स एवं टाई डाई आर्टिकल सिखाने का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने रेंगोलीन सीट पर विविध डिजाइन तैयार की व ग्लू गन की मदद से भिन्न-भिन्न रंगों के फर वूलन को चिपकाया गया । शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यंत आकर्षक एवं सुंदर रंगोली मेटस बनाएं । द्वितीय आर्टिकल टाइ डाई के अंतर्गत प्रशिक्षुओं ने रुमाल पर स्पाइरल, जेड फोल्ड तैयार किये और सफेद कपड़े पर भिन्न- भिन्न डाई किये।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को लिप्पन कला से डिज़ाइन करने का प्रशिक्षण दिया। लिप्पन कला में प्रशिक्षुओं ने मां काली के अवतार, सूरजमुखी, भगवान बुद्ध की आकर्षक छवि को उकेरा ।

सजावटी दिया स्टैंड के अंतर्गत राधे-राधे,चंद्रमा की आकृति, गणेश प्रतिमा, का निर्माण किया गया। कार्यशाला के तृतीय दिवस पर प्रशिक्षुओं को कैनवास पेंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया, एक्रेलिक रंगों की सहायता से शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों ने अत्यंत सुंदर और मनमोहक कैनवास पेंटिंग बनाई। कार्यशाला का संचालन सहा .प्रा. पलक बेरछा ,सहा.प्रा. अपर्णा रघुवंशी, सहा.प्रा. हेमलता वर्मा , सहा .प्रा. दीपा कुमारी ने किया ।

निगमायुक्त ने झोन क्रमांक 11 और 20 में सफाई व्यवस्था का किया सघन निरीक्षण

इन्दौर। आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा प्रातःकाल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान झोन क्रमांक 11 एवं झोन क्रमांक 20 सहित अन्य क्षेत्रों की स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। झोन क्रमांक 11 अंतर्गत जीपीओ चौराहा, शिवाजी वाटिका, दवा बाजार एवं आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात झोन क्रमांक 20 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 स्थित जिंसी हाट मैदान एवं अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया।आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि स्वच्छता अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कडाबीन हाजिरी सेंटर पर उपस्थिति रजिस्टर की जांच की गई तथा अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। आयुक्त सिंघल ने सभी झोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें तथा बाजार, सार्वजनिक स्थलों, चौराहों एवं पार्कों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। साथ ही कचरा फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त चालानी कार्रवाई करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने पर भी बल दिया।

भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किसान गांव गांव घंटा बजाओ आंदोलन चलाएंगे

इंदौर। किसान नेता हंसराज मंडलोई का मंत्री सिलावट से सीधा प्रश्न क्या आप आपकी जमीन गाइडलाइन के हिसाब से देने को तैयार है तो प्रभावित किसान उसे खरीदने को तैयार प्रभावित किसानों ने मंत्री सिलवट पर लगाया आरोप आंदोलन को कमजोर करने के लिए अपने ही लोगों से मुख्यमंत्री का अभिनंदन करवा दिया।

अब मालवा प्रांत का किस जग गया है एवं अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है चाहे इंदौर बुधनी रेलवे लाइन का किसान हो या आउटर रिंग रोड का या बरलाई शक्कर फैक्ट्री या ग्रीन फील्ड कॉरिडोर सभी प्रोजेक्ट के किसान अपने अपने स्तर पर एकजुट होकर इस किसान विरोधी सरकार का मुकाबला करने में लगा हुआ है हंसराज मंडलोई ने आगे बताया कि आंदोलन से घबराकर सरकार भी किसानों में फुट डालने में लगी हुई है एवं थोड़ी बहुत गाइडलाइन बढ़कर किसानों को गुमराह कर रहे हैं हद तो यहां तक हो गई की मंत्री सिलावट अपना नंबर भाजपा में बढ़ाने के लिए अपने लोगों को भोपाल ले जाकर उनको किसान बताकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन कर रहे हैं और प्रभावित किसानों का गला काट रहे हैं एवं उनके परिवारों को बर्बाद करने का घिनौना काम कर रहे हैंजो की सरासर इंदौर बुधनी रेलवे लाइन आउटर रिंग रोड बरलाई शक्कर फैक्ट्री ग्रीन फील्ड कॉरिडोर जो की सांवेर विधानसभा क्षेत्र के प्रोजेक्ट हैं उनके साथ में फर्फाफात धोखा कर रहे हैं।

अगर मंत्री तुलसी सिलावट गाइड लाइन से खूस है तो तमाम प्रोजेक्ट को के किसान उनकी कटवाली खुर्द में 15 बीघा जमीन है उसकी गाइडलाइन के भाव में खरीदने के लिए तैयार है प्रभावित किसानों ने मंत्री को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा की अगली बार सांवेर विधानसभा क्षेत्र का किसान आपको बतायेगा कि हमारे परिवारों को बली का बकरा बनाने का परिणाम क्या होता है।

शहीद चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि

इंदौर। अमर क्रांतिकारी शहीद चंद्रशेखर आजाद की 95वीं पुण्यतिथि पर नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट एवं अ.भा. स्वतंत्रता सैनानी उत्तराधिकारी संगठन के तत्वावधान में आदर्श हनी पब्लिक स्कूल परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने आजाद जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को नमन किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वंशज उत्तराधिकारी श्री राजेंद्र बबेले ने आजाद जी के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पहार अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

विशेष अतिथि पूजा दवे ने अपने उद्बोधन में कहा कि चंद्रशेखर आजाद का जीवन साहस, आत्मसम्मान और देशभक्ति की अनुपम मिसाल है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके आदर्शों पर चलकर राष्ट्रसेवा के लिए समर्पित रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया ने कहा कि आजाद जी का जीवन हमें सच्ची देशभक्ति और बलिदान का अर्थ समझाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में एकता, सचेतना और मानवता की भावना को सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गणेश वर्मा, मुन्नालाल यादव, संजय जंयत सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य सरोज चंदेल, वाइस प्रिंसिपल अर्चना सोनी, शिक्षिका काजल गुप्ता, पुष्पा महाजन, पिंकी रूपाले, चंदेल सर एवं वंशिका चंदेल ने किया।

कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र चंदेल ने किया तथा आभार प्रदर्शन वाइस प्रिंसिपल अर्चना सोनी ने व्यक्त किया।

नंदानगर अग्रवाल सांस्कृतिक मंच का फाग महोत्सव

इंदौर। श्री अग्रवाल सांस्कृतिक मंच नंदानगर की मेजबानी में रंगारंग फाग महोत्सव का दिव्य आयोजन शनिवार 28 फरवरी को शाम 7 बजे से परदेशीपुरा स्थित शिव धाम मंदिर पर आयोजित किया गया है। संस्था के समन्वयक गणेश गोयल, विजय मित्तल एवं सोनू अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव में अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद गोयल, वरिष्ठ समाजसेवी विनोद अग्रवाल, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय, क्षेत्र के सभी पार्षदों सहित अनेक धार्मिक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। फाग महोत्सव में अनेक प्रमुख कलाकार होली से जुड़े मधुर गीतों, भजनों एवं संकीर्तन सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी देंगे। महोत्सव में फूलों की होली आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेंगी। महोत्सव के लिए अजय मित्तल, संजय अग्रवाल, अश्विन गोयल, सत्यप्रकाश अग्रवाल काका, अरुण गोयल, राकेश अग्रवाल, वीरेन्द्र अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल, अक्षय मित्तल सहित 11 सदस्यीय उत्सव समिति को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई है। शहर एवं समाज के हित में सामाजिक सरोकार से जुड़े संकल्प भी लिए जाएँगे ।

राज्य आनंद संस्थान

90 करोड़ सालाना खर्च के बावजूद मध्यप्रदेश में प्रतिदिन 37 आत्महत्याएँ गंभीर स्थिति

राज्य आनंद संस्थान में लगभग 1 हजार करोड़ से ज़्यादा का आर्थिक घोटाला

इंदौर। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राज्य आनंद संस्थान की स्थापना खुशी और मानसिक संतुलन बढ़ाने के उद्देश्य से 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई थी। महिमामंडन करके यह अवधारणा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भूटान के ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस मॉडल से प्रेरित बताई गई थी।

लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट है।

कठोर सच्चाई यह है की मध्यप्रदेश में औसतन 37 लोग प्रतिदिन आत्महत्या कर रहे हैं।बीते वर्षों में राज्य आनंद संस्थान पर लगभग 90 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष खर्च होने की बात सामने आती रही है।

इसके बावजूद आत्महत्याओं में कोई ठोस कमी नहीं, न ही मानसिक स्वास्थ्य या सामाजिक संतोष के आँकड़ों में सुधार दिखाई देता है।

राज्य सरकार से गंभीर सवाल हैं,की

यदि राज्य आनंद संस्थान प्रभावी है, तो आत्महत्याएँ क्यों नहीं रुक रहीं ?

क्या यह संस्थान केवल कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और विज्ञापन तक सीमित रह गया है ?

क्या इसका बजट भ्रष्टाचार और दिखावटी आयोजनों की भेंट चढ़ रहा है ?

एक हजार करोड़ से ज़्यादा राशि के आर्थिक घोटाले की आशंका हैं।

राज्य आनंद संस्थान की स्थापना को लगभग 10 वर्ष हो चुके हैं।

यदि औसतन 90 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष भी माने जाएँ, तो यह राशि लगभग 900-1000 करोड़ रुपये तक पहुँचती है।

यह एक बड़े सुनियोजित आर्थिक घोटाले की ओर संकेत करता है, जिसकी आज तक कोई स्वतंत्र, सार्वजनिक और पारदर्शी ऑडिट रिपोर्ट सामने नहीं आई।

मध्यप्रदेश में आत्महत्या के वास्तविक कारण बेरोजगारी और सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार हैं।

सरकार को यह स्वीकार करना होगा कि आत्महत्याओं के पीछे मुख्य कारण हैं, बेरोजगारी, सरकारी योजनाओं की विफलता, महँगाई, कृषि संकट, प्रशासनिक भ्रष्टाचार ही

युवा भविष्य की अनिश्चितता और असुरक्षा और असफलता की भावना प्रमुख वजह हैं।

इन मूल समस्याओं पर काम किए बिना खुशी का ढोल पीटना जनता के साथ करूर मज़ाक है।मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री से स्पष्ट मांग है कि-

1. राज्य आनंद संस्थान को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।

2. पिछले 10 वर्षों के समस्त खर्च की उच्चस्तरीय स्वतंत्र ऑडिट (कैग / न्यायिक) कराई जाए।

3. दोषी अधिकारियों, सलाहकारों और लाभार्थियों के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई हो।

4. बजट का उपयोग रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में किया जाए।

यह स्पष्ट हैं की समाधान का रास्ता खुशहाली के नारों और कार्यशालाओं से नहीं,बल्कि रोजगार, ईमानदार शासन और सामाजिक सुरक्षा से आता है। जब मध्यप्रदेश सरकार युवाओं को नौकरी देगी और किसानों को स्थिर आय देगी तथा और भ्रष्टाचार पर सख्ती करेगी।तभी आत्महत्याएँ कम होंगी,न कि खुशी विभाग के पोस्टरों से।